

प्रेषक,

वी. के. पाठक,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
चम्पावत।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास

देहरादून: दिनांक 22 मार्च, 2005

विषय:— जनपद चम्पावत में दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं के मरम्मत एवं पुर्ननिर्माण कार्यो हेतु वर्ष 2004-05 में स्वीकृति के संबन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 921/तेरह-9(2004-05)/दौआ0 दिनांक 24.2.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या- 427/आपदा प्रबन्धन/2004 दिनांक 11.5.2004 के द्वारा जनपद चम्पावत में सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति हेतु रु0 20.00 लाख की स्वीकृति प्रदान की गयी थी। उक्त स्वीकृत धनराशि जिलाधिकारी की आवश्यकतानुसार पेयजल आपूर्ति हेतु नहीं हो पाया है। अतः इस धनराशि को दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं के मरम्मत कार्यो हेतु उपलब्ध कराये गये रु0 21.72 लाख के आगणन के विपरीत तकनीकी परिक्षणोपरान्त टी.ए.सी. द्वारा संस्तुत लागत के अनुसार संलग्न विवरणानुसार रु0 20,85,000/- (रु0 बीस लाख पच्चीसी हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही उपरिलिखित शासनादेश दिनांक 11.5.2004 द्वारा स्वीकृत की गई धनराशि में से ही आवंटित धनराशि को मद परिवर्तन कर उक्त धनराशि के रु0 20.00 लाख एवं 0.85 लाख को संगत मद में प्राविधानित धनराशि में अतिरिक्त रूप में व्यय की भी श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि निम्न प्रतिबन्धों के साथ आहरित की जायेगी:-

1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण कर संबन्धित विभाग के अधीक्षण अभियन्ता से दरों की स्वीकृति कार्य कराने से पूर्व अवश्य ली जाय।

2- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों /विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यो को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

3- कार्य कराने से पूर्व कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी स्थल का निरीक्षण कर लें, तथा यह सुनिश्चित करें कि आगणन में जो प्राविधान इंगित किये गये हैं वह स्थल की आवश्यकतानुसार हैं अथवा नहीं, स्थल आवश्यकतानुसार ही कार्य कराना सुनिश्चित करें।

4- कार्य कराने से पूर्व स्थल आवश्यकतानुसार विस्तृत/ मानचित्र गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर लें, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं वित्तीय नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय एवं जिन आगणनों में स्लिप लिया गया है, कार्य कराने से पूर्व माप पुस्तिका से रिकार्ड मेजरमेंट इंगित अवश्य कराये जाय, तथा इसका सत्यापन अधि0अभि0 स्वयं करें।

5- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि आंकलित/स्वीकृत की गई है। व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद की राशि दूसरे मदों में किसी भी दशा में न किया जाय। इसका पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण ईकाई का होगा।

6- स्वीकृत धनराशि कार्यदायी संस्था को अवमुक्त करने से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा पुनः यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त है और भारत सरकार के दिशा निर्देशों से आच्छादित है। जो कार्य नया हो, उस कार्य को निरस्त कर शासन को शीघ्र अवगत कराया जाय। निर्माण एजेन्सी को भुगतान के पूर्व जिलाधिकारी या उसके द्वारा नामित उनका प्रतिनिधि कार्यालय में जाकर कार्य की पूर्ति होने पर ही भुगतान किया जायेगा।

7- कार्य प्रारम्भ से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु किसी अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है, यदि प्राप्त हुई है तो उसको समायोजित करते हुए अवशेष धनराशि को इस धनराशि में से व्यय की जायेगी तथा जिलाधिकारी द्वारा धनराशि निर्माण संस्था/ विभाग को तब ही अवमुक्त की जायेगी, जब इस बात की लिखित रूप में पुष्टि हो जायें।

8- दैवी आपदा राहत निधि से कृत कार्यों का यथास्थान चिन्हांकन कर इसकी लागत, निर्माण एजेन्सी का नाम, कार्य प्रारम्भ व अन्त करने की तिथि का अंकन कर दिया जायेगा।

3- समस्त कार्य निर्दिष्ट समय तक अवश्य पूर्ण कर लिये जाय। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

4- उक्त समस्त कार्यों को कराये जाते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स अन्य तद्विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

5- स्वीकृति धनराशि व्यय करते समय शासनादेश पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

6- रु0 85,000 की धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखा शीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 आपदा राहत निधि-आयोजनेत्तर 800-अन्य व्यय-01-केंद्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनायें- 01 राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से व्यय-42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या- 979/वित्त अनु0 3/2004 दिनांक 21.3.2005 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोक्त

भवदीय

(बी. के. पाठक)
अपर सचिव

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) औबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।
- 3- अपर सचिव, नियोजन विभाग।
- 4- कोषाधिकारी, चम्पावत।
- 5- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- मिजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय।
- 7- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(बी. के. पाठक)
अपर सचिव